सुदर्शन चक्र द्वारा विमान – भेदन

शब्दार्थ :–

अनुपस्थित	-	गैरहाज़िर
निन्यानवे	-	99
जुआ	-	हार – जीत का खेल
वध	-	जान से मारना
विमान	-	हवाई जहाज़
आकाशगामी	-	आकाश में चलने वाला
अन्यथा	-	और कोई

क) श्रीकृष्ण पांडवों से मिलने वन में आए थे |

ख) जब कौरव और पांडव जुआ खेल रहे थे , उस समय श्रीकृष्ण हस्तिनापुर में थे |

ग) शाल्व आनर्त देश का राजा था उसने अपने भाई शिशुपाल के वध का बदला लेने के लिए द्वारका पर आक्रमण किया था |

घ) शाल्व ने द्वारकापुरी में आकर लोगों को अंधाधुंध मारना आरम्भ कर दिया | कितने ही बच्चे , बूढ़े और स्त्रियों मारे गए | उसने गरज़ – गरजकर लोगों से

पूछा – ' वासुदेव कृष्ण कहाँ है ? मुझे जल्दी बताओ | में उससे अपने भाई की मृत्यु का बदला लूँगा

" |

ड) श्रीकृष्ण ने शाल्व को सागर के पास उसके विमान के साथ ढूँढ निकाला |

ज) सुदर्शन – चक्र अपना कार्य कर वापस श्रीकृष्ण के पास लौट आता है |